सीएमपीडीआई की विशिष्ट/प्रमुख उपलब्धियां (2019-20)

- 25 भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के जरिए 292 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को शामिल कर विस्तृत गवेषण के माध्यम से 7.77 बिलियन टन कोयला भंडार को प्रमाणित श्रेणी में लाया गया, जो स्थापना काल से अब तक का सीएमपीडीआई द्वारा एक वर्ष में आकलित किया गया सर्वाधिक कोयला संसाधन है। इसके अतिरिक्त, 6 भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के जरिए 140 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल कर प्रोमोशनल (रिजनल) गवेषण के जरिए लगभग 9.75 बिलियन टन नए संसाधन का आकलन किया गया।

- वर्ष 2019-20 के दौरान सीएमपीडीआई ने 14 लाख मीटर एमओयू लक्ष्य के मुकाबले विस्तृत गवेषण के तहत 12.94 लाख मीटर तथा प्रोमोशनल (रिजनल) के तहत 1.53 लाख मीटर लक्ष्य के मुकाबले 1.16 लाख मीटर ड्रिलिंग की है।

- 3 ब्लॉकों यानि नॉर्थ ऑफ पिपरवार फेज-2, कर्णपूरा कोलफील्ड, झारखंड; नॉर्दर्न पार्ट ऑफ नॉर्थ ऑफ अरखापाल (तालचर कोलफील्ड), ओडीसा तथा निगवानी बकेली-ए (सोहागपुर कोलफील्ड), मध्यप्रदेश में मेसर्स एसईआरसीईएल, फ्रांस से आयातित वाइब्रोसीस द्वारा 2डी सिस्मिक सर्वेक्षण किया गया। यह कार्य दो अन्य कोयला ब्लॉकों में जारी है।

- विभागीय तौर पर खासकर नॉन-कोरिंग ड्रिलिंग के पूरक के रूप में लगभग 2.17 लाख मीटर भू-भौतिक लॉगिंग किया गया।

- सीएमपीडीआई ने कोयला एवं लिग्नाइट क्षेत्र में क्षेत्रीय गवेषण के तहत 17 ब्लॉकों तथा विस्तृत गवेषण के तहत 128 ब्लॉकों में गवेषाणात्मक ड्रिलिंग की है।

- "एक्सप्लोरेशन स्टैटस ऑफ कोल बियरिंग एरिया ऐज ऑन 01.04.2019" नामक रिपोर्ट तैयार कर सौंप दी गई। इस रिपोर्ट में दिनांक 01.04.2019 की अवधि तक की गवेषण स्थिति की लेखा-लोखा का सारांश तथा जीएसआई द्वारा रिपोर्ट किए गए 19400 वर्ग किलोमीटर संभावित कोयला धारक क्षेत्र के ब्लॉकिंग स्टैटस को शामिल किया गया है।

- सीजीडब्ल्यूए अनुमोदन तथा ईएमपी क्लीयरेंस के लिए "ग्राउंड वाटर क्लीयरेंस एप्लीकेशन" तैयार करने के लिए 21 खनन परियोजनाओं/खानों का जल भू-वैज्ञानिक अध्ययन किया गया। सीएमपीडीआई जलापूर्ति के लिए जल भू-वैज्ञानिक अध्ययन तथा एमओईएफ द्वारा क्लीयर की गई सीआईएल परियोजनाओं की भूमिगत जल मॉनिटरिंग भी कर रहा है।

- डब्ल्यूसीएल की मकरधोकरा-1 विस्तारण खुली खान में बेस फ्लो पर कोयला खनन के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए अम्ब नदी पर समेकित जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन पहली बार सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

- लगभग 178 एमटी प्रतिवर्ष क्षमता संवर्धन वाली 32 परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई।

- 52 पर्यावरण प्रबंधन योजना (31 फार्म-1 सहित) तैयार की गई।

- डीजीएमएस के विनियमन 106 के अनुपालन में 46 कोयला परियोजनाओं के ओबी डम्प तथा हाईवाल का ढाल स्थायित्व मूल्यांकन किया गया।

- वर्ष 2019-20 के दौरान अनुसंधान एवं विकास तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए 39.27 करोड़ रूपये का कोष वितरित किया गया।

- आसपास के निवासियों/महत्वपूर्ण संरचनाओं को बचाने तथा इसके कारण दबे हुए (लॉक्ड-अप) कोयले की सुरक्षित निकासी के लिए कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न खानों के लिए नियंत्रित विस्फोटन तथा कंपन अध्ययन पर 12 रिपोर्ट तैयार की गईं।

- विवेच्य अवधि में कोल इंडिया लिमिटेड की खानों में प्रयोग में लाए जा रहे बल्क/कार्ट्रीज विस्फोटकों एवं सहायक सामग्रियों का रैंडम सेम्पलिंग तथा परीक्षण कर इसके बारे में 60 रिपोट तैयार की गई। इसके अतिरिक्त विस्फोटन पारामीटर/पावडर फैक्टर के अनुकूलन से संबंधित 42 रिपोर्ट भी तैयार की गई।

- सीएमपीडीआई नियमित आधार पर हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट डाटा पर आधारित खुली खानों की भूमि पुनरूद्धार मॉनिटरिंग करता रहा है। वर्ष 2019-20 में, कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न अनुषंगी कम्पनियों की 87 परियोजनाओं की भूमि पुनरूद्धार मॉनिटरिंग पूरी कर ली गई है, जिसमें 5 एमसीएम (कोयला + ओबी) उत्पादन करने वाली श्रेणी की 52 खुली खान परियोजना तथा 5 एमसीएम से कम उत्पादन करने वाली (कोयला + ओबी) की 27 खुली खनन परियोजना तथा 8 कलस्टर शामिल है।

- कोयला क्षेत्र में भू-उपयोग/वनस्पति आच्छादन पर खनन के कारण पड़नेवाले प्रभाव के मूल्यांकन के लिए हाई रिपोल्यूशन सैटेलाइट डाटा पर आधारित कोल इंडिया के कोलफील्डों का नियमित रूप से वनस्पति आच्छादन मानचित्रण का कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2019-20 के दौरान 6 कोलफील्डों यथा काम्पटी एवं वर्धा वैली कोलफील्ड (डब्ल्यूसीएल), तालचर कोलफील्ड (एमसीएल), झरिया कोलफील्ड (बीसीसीएल), बिश्रामपुर कोलफील्ड (एसईसीएल) तथा माकुम कोलफील्ड (एनईसी) का वनस्पति आच्छादन मानचित्रण का कार्य सफलतापूर्वक कर लिया गया है।

- वर्ष 2019-20 के दौरान उपग्रह आंकड़ा पर आधारित 31 खुली खान परियोजना/भूमिगत परियोजना के कोर एवं बफर जोन का भू-उपयोग/आच्छादन मानचित्रण का काम पूरा कर लिया गया। इसके अतिरिक्त, एमओईएफ एवं सीसी के अनुपालन के लिए एसईसीएल के 15 भूमिगत परियोजनाओं के पट्टेवाले क्षेत्र के लिए भू-उपयोग/आच्छादन मानचित्रण का कार्य पूरा कर लिया गया।

- सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा कोल इंडिया से वित्त प्रदत्त परियोजना ''सुदूर संवेदन तकनीक का प्रयोग कर प्रमुख भारतीय कोलफील्डों में अद्यतन स्थलाकृतिक मानचित्र की तैयारी'' काम पूरा कर लिया गया। इस परियोजना के तहत 29 कोलफील्डों के लिए 1:5000 पैमाने पर 2 मीटर कंटूर सहित अद्यतन टोपोशीट तैयार किया जा चुका है।

- नई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए 2 ड्रोन के लिए आपूर्ति आदेश जारी कर दिया गया है जिसे सर्वेक्षण एवं मापन अनुप्रयोग (अप्लीकेशन) के लिए प्रयोग में लाया जाएगा। ये स्टेट-ऑफ-आर्ट उपकरण लिडार/ऑप्टिकल/थर्मल सेंसर से सुसज्जित है। क्षमता संवंर्धन के लिए 3 और टेरेस्ट्रीयल लेजर स्कैनर (टीएलएस) प्राप्त किए जा रहे हैं।

- कनिहा खुली खान परियोजना (एमसीएल) में अनधिकृत संरचनाओं का पता लगाने के लिए सेलेक्टिव डीजीपीएस सर्वे द्वारा हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट सर्वेक्षण किया गया ।

- सीएमपीडीआई, रांची में स्थापित एमएस सर्वर के जरिए नवम्बर, 2019 में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं की मॉनिटरिंग शुरू की जा चुकी है।

- सीएमपीडीआई ने अपने विशेषज्ञता प्राप्त परामर्शी सेवा से एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह कोयला खान परियोजना के लिए ''आईएमएस (आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 45001:2018) का नियमन एवं कार्यान्वयन का कार्य किया है। इस प्रणाली के सफलतापूर्वक स्थापना तथा कार्यान्वयन के लिए सभी आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन दिए गए एवं उसके बाद उपर्युक्त मानक के लिए प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया।

- सीएमपीडीआई ने कोल इंडिया लिमिटेड मुख्यालय के ''ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली मानक'' के उन्नयन (आईएसओ 50001:2011 से आईएसओ 50001:2018) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

- एबीएमएस के कार्यान्वयन के लिए रिश्वतरोधी प्रबंधन प्रणाली, आईएसओ 37001:2016 के प्रलेखन के साथ-साथ बीसीसीएल के अधिकारियों को संवेदीकरण/जागरूकता प्रशिक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

- एमसीएल एवं ईसीएल के लिए पुराने मानक (ओएचएसएएस 2007 से आईएसओ45000:2018) में बदलाव तथा बीसीसीएल के लिए कम्पनीवाइड आईएमएस के उन्नयन का कार्य निर्धारित समय में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

- बीआईएस के अंकेक्षकों ने संशोधन अंकेक्षण के पूरा होने पर सीएमपीडीआई के लिए क्यूएमएस (आईएसओ 9001:2015) के लाइसेंस के नवीकरण की अनुशंसा की है।

- जनवरी, 2020 में क्यूसीआई एनएबीईटी द्वारा सीएमपीडीआई का निगरानी मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। सीएमपीडीआई को "आफशोर एवं ऑनशोर आयल एवं गैस गवेषण, विकास एवं उत्पादन" जैसे नए क्षेत्र में कोल बेड मिथेन के लिए ईआईए तैयार करने हेतु मान्यता प्राप्त (एक्रिडिटेड) परामर्शदाता संगठन की मान्यता मिल चुकी है। सीएमपीडीआई ने कोयला खनन, कोल वाशरी तथा थर्मल पावर प्लांट सेक्टर में ईआईए तैयार करने के लिए अपनी मान्यता जारी रखी।

- शून्य बिजली आवश्यकता तथा शून्य अपशिष्ट उत्पादन वाला फाइटोरीड प्रौद्योगिकी पर आधारित एसटीपी की योजना ईसीएल को सौंप दी गई है। सीएमपीडीआई की योजना के आधार पर ईसीएल ने न्यू केन्दा कॉलोनी में एसटीपी के निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

- पहली बार सीएमपीडीआई के द्वारा केन्द्रीय अस्पताल, सिंगरौली, एनसीएल के लिए अस्पताल के तरल अपशिष्ट की ईपीटी की योजना बनाई गई है।

- एमसीएल की लखनपुर, भुवनेश्वरी तथा कुल्दा खुली खान परियोजनाओं में अनेक खनन क्रिया-कलापों के कारण उत्पन्न फ्यूजीटिव डस्ट को नियंत्रित करने के लिए विंड ब्रेक (डब्ल्यूबी) तथा वर्टिकल ग्रीनरी सिस्टम (वीजीएस) का डिजाइन किया गया है। इस प्रणाली में विंड ब्रेक सिस्टम को धूल उत्पन्न होने वाले स्रोत के अप विंड दिशा में लगाया जाता है तथा वीजीएस स्रोत से डाउनविंड दिशा में लगाया जाता है, जहां पारंपरिक तरीके से जल छिड़काव कारगर नहीं होता है।

- 12 ''कंटीन्यूअस एम्बिएंट वायु गुणवत्ता (एयर क्वालिटी) मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएएक्यूएमएस)'' (एमसीएल के लिए 11 तथा सीएमपीडीआई के लिए 1) के लिए आपूर्ति आदेश जारी कर दिया गया है जिसे एमसीएल तथा सीएमपीडीआई द्वारा सांविधिक अनुपालन/निदेशों को पूरा करने के लिए तत्काल पूरा करना अपेक्षित था।

- सीएमपीडीआई ने अप्रैल, 2018 में आयोजित सीपीएसई संगोष्ठी के बाद तैयार की गई कार्य योजना के अनुसार सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों के 9 (नौ) कॉलोनियों

को मिनी स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने वाला चुनौतीपूर्ण कार्य हाथ में लिया है। यह कार्यएकदम नया तथा प्रतिकूल प्रकृति का है। सीएमपीडीआई ने कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कम्पनियों के 6 कॉलोनियों यथा निगाही कॉलोनी (एनसीएल), जागृति विहार कॉलोनी (एमसीएल), बसुंधरा कॉलोनी (एमसीएल), कोयला विहार कॉलोनी (डब्ल्यूसीएल), इंदिरा विहार कॉलोनी (एसईसीएल) एवं नेहरू शताब्दी कॉलोनी (एसईसीएल) का डीपीआर संकलित कर निर्धारित समय पर सौंप दी है।

- भारत के कोयला क्षेत्र के पोषणीय/सतत (सस्टेनेबुल) विकास करने हेतु कोयला सेक्टर की स्थिति रिपोर्ट तैयार की गई है। इसके रिपोर्ट का मसौदा कोयल मंत्रालय को सौंप दी गई है।

- एनसीएल के गोरबी खान पीट में निपटान के लिए फ्लाई ऐश का लीचिबिलिटी अध्ययन शामिल करते हुए विन्ध्याचल सुपर थर्मल पावर प्लांट (वीएसटीपीएस) हेतु फ्लाइ ऐश के निपटान की रिपोर्ट सौंप दी गई है।

- सीएमपीडीआई ने कोयला परियोजनाओं के नियमों के उल्लंघन (वायोलेशन) के मामलों को निपटाने हेतु पर्यावरण स्वीकृति (क्लीयरेंस) मंजूर करने के लिए प्राकृतिक एवं सामुदायिक संसाधन संवर्धन योजना (एनसीआरएपी) तैयार की है।

- सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के एनडीटी सेल को एनएबीएल से मान्यता मिल चुकी है जो गैर विध्वंसक परीक्षण (एनडीटी) में ''परीक्षण'' के क्षेत्र में निर्धारित मानक आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुरूप है।

- सीएमपीडीआई का कोयला एवं खनिज परिष्करण प्रयोगशाला भी एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है, जो आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुरूप है।

- ''सस्टेनेबुल लिवलीहुड ऑन रिक्लेम्ड ओपेनकास्ट माइन्स : ए टेक्नॉलोजी इनेबल्ड इंटीग्रेटेड अप्रोच इन द इंडियन कोल सेक्टर" नामक एसएंडटी परियोजना, जो सीएमपीडीआई, टेरी एसएएस तथा बीसीसीएल द्वारा संयुक्त रूप् से कार्यान्वित की जा रही है, को टिकाऊ (सस्टेनेबुल) विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लिए तृतीय इन्नोवेटिव प्रैक्टिस अवार्ड, 2019 मिला है। इस पुरस्कार को 31 मई, 2019 को मुम्बई में आयोजित 14वीं राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान प्रेजेंट किया गया।

- कोल इंडिया लिमिटेड की परित्यक्त कोयला क्वारियों में मत्स्य (मछली) संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ''खान जल पर्यावरण का मूल्यांकन तथा टिकाऊ एवं लागत प्रभावी माइन व्वाइड एक्वा इको सिस्टम'' पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजना को बिरसा

कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से पूरा कर लिया गया। उपग्रह मॉनिटरिंग प्रणाली के जरिए पीएम$_{2.5}$ की मॉनिटरिंग का कार्य जारी है।

- **कोल इंडिया में कोल बेड मिथेन (सीबीएम)/कोल माइन मिथेन (सीएमएम) का विकास:**
  - ✓ बीसीसीएल के मुनीडीह भूमिगत खान में सीएमएम निकासी के लिए अवधारणा से संस्थापन तक प्रौद्योगिकी प्रदाता के चयन के लिए तैयार किया गया वैश्विक बोली दस्तावेज (जीबीडी) बीसीसीएल की आवश्यक कार्रवाई हेतु बीसीसीएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है।
  - ✓ सीआईएल के क्षेत्रों में सीबीएम के विकास के लिए सीबीएम डेवलपर (सीबीएमडी) के चयन हेतु मॉडल बिड दस्तावेज (एनआईओ एंड एमआरएससी) तैयार कर ली गई, जहां अनुषंगी कम्पनियों के लिए सीएमपीडीआई प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है।
  - ✓ एनईसी क्षेत्र, माकुम कोलफील्ड में सीबीएम की संभावना पर प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार कर सौंप दी गई है। इसके आधार पर एनईसी क्षेत्र में सीबीएम के और अधिक गवेषण की योजना बनाई जा सकती है।
- **सीआईएल से बाहर के संगठनों को परामर्शी सेवाः**
  - ✓ वर्ष 2019-20 के दौरान सीएमपीडीआई ने 21 संगठनों से 27.20 करोड़ रूपये का कार्य प्राप्त किया है। इन परामर्शी कार्यों में कोयला मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/सरकारी संगठन एवं निजी कम्पनियों से प्राप्त परामर्शी कार्य शामिल थे।
  - ✓ 21 संगठनों के लिए 18.58 करोड़ रूपये का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इनमें से कुछ प्रमुख ग्राहक एनटीपीसी लिमिटेड, ओडिसा कोल एंड पावर लिमिटेड, एनएलसी इंडिया लिमिटेड, ओडीशा कोल एंड पावर लिमिटेड (ओसीपीएल), अल्ट्राटेक सिमेंट लिमिटेड, गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड (जीआईपीसीएल) आदि हैं।
  - ✓ प्राप्त किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य हैं: ''टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अमेलिया कोल ब्लॉक, सिंगरौली कोलफील्ड्स के लिए विस्तृत गवेषण एवं भूवैज्ञानिक रिपोर्ट की तैयारी, एमओआईएल की बालाघाट खान में मैगनिज अयस्क (तीन प्रकार के उत्पाद) के लिए हैंडलिंग/कन्वेईंग, स्टोरेज तथा मेकेनाइज्ड लोडिंग वैगन एवं ट्रक लोडिंग सिस्टम हेतु लागत प्राक्कलन सहित समेकित योजना, हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मूरी में रेडमड पौंड के लिए ढाल स्थायित्व अध्ययन, एवं 'एनयूपीपीएल (एनएलसी इंडिया लिमिटेड एवं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

का संयुक्त उपक्रम) के पछवारा साउथ कोल ब्लॉक, पछवारा/राजमहल कोलफील्ड्स पर भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के मसौदे की जांच''।

- ''तापीय मूल्य (कैलोरिफिक वैल्यू) के संदर्भ में थ्रोअवे-कोल वाशरी रिजेक्ट को परिभाषित करने, खान की रिक्त और/या अन्य निचले इलाकों में पर्यावरण के अनुकूल ढंग से थ्रोअवे रिजेक्ट्स के निपटान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का निर्माण तथा थ्रोअवे रिजेक्ट्स के निपटान के लिए मॉनिटरिंग मेकानिज्म की तैयारी'' के लिए कोयला मंत्रालय के दिनांक 04.04.2018 के कार्यालय ज्ञापन संख्याः सीसीएनटी-43016/1/2018-सीसीएसडी के द्वारा सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति का गठन किया गया था। विस्तृत विचार-विमर्श तथा कई दौर के बैठकों के बाद जून, 2019 में यह रिपोर्ट कोयला मंत्रालय को सौंप दी गई। इस कमिटि रेपोर्ट की अनुशंसा से वाशरी से उत्पन्न अपशिष्ट के पर्यावरण अनुकूल उपयोग/निपटान के लिए समरूप नीति अपनाने में सहूलियत होगी।

- नागपुर, बिलासपुर तथा धनबाद स्थित सीएमपीडीआई के कार्यालय भवनों पर रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट स्थापित कर दिया गया है।

- गेवरा खुली खान परियोजना (70 एमटीवाई), एसईसीएल के लिए कर्मशाला (वर्कशॉप) परिसर का टर्न-की निर्माण के लिए निविदा दस्तावेज सौंप दी गई।

- चार सीएचपी तथा वाशरी सहित दो समेकित सीएचपी हेतु तकनीकी सेवा दिए जाने के उद्देश्य से सीएमपीडीआई को परामर्शदाता संगठन के रूप में नियुक्त करने के लिए सीएमपीडीआई तथा एसईसीएल के मध्य एमओयू पर 6 दिसम्बर, 2019 को हस्ताक्षर किया गया। इस एमओयू की अवधि तीन वर्ष के लिए होगा जिसे दोनों पक्षों की लिखित सहमति से बढ़ाया जा सकता है।

- व्यावसायिक हित के संभावना वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए सीएमपीडीआई तथा एसबीआई कैपिटल मार्केट लिमिटेड के मध्य 9 जनवरी, 2020 को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। यह एमओयू तीन वर्ष के लिए है तथा दोनों पक्षों की सहमति से इसे आगे और बढ़ाया जा सकता है।

- दो वर्षों में 6000 मीटर कोयला कोर का विश्लेषण करने के लिए 7 फरवरी, 2020 को रांची में सीएमपीडीआई तथा आईआईटी-केजीपी के मध्य एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। यह एमओयू सीएसआईआर प्रयोगशाला के साथ हुए मौजूदा एमओयू के अतिरिक्त है।

- भारत सरकार-कोयला मंत्रालय के तत्वावधान में, सीआईएल-सीएमपीडीआई तथा जीएमआई-यूएसईपीए द्वारा संयुक्त रूप से रांची में दिनांक 24-25 अप्रैल, 2019 को "भारत में सीबीएम/सीएमएम के अनुकूलतम उपयोग" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- कोयला मंत्रालय के तत्वावधान में 13 नवम्बर, 2019 को स्कोप कन्वेंशन सेंटर में सीएमपीडीआई द्वारा ''भारत में भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) की संभावना'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कनाडा एवं रूस के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

- कोयला मंत्रालय के तत्वावधान में स्कोप कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में 23 दिसम्बर, 2019 को सीएमपीडीआई द्वारा ''गवेषण की वर्तमान गति में तेजी लाने हेतु कोयला एवं लिग्नाइट क्षेत्र के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- सीएमपीडीआई, रांची में 22 फरवरी, 2020 को सीएमपीडीआई द्वारा ''कोयला परिष्करणः न्यूनतम राख की प्रतिशतता पर स्वच्छ कोयले के उत्पादन का अनुकूलन'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- 29 जनवरी, 2020 को सीएमपीडीआई, रांची द्वारा नेशनल एससी-एसटी हब, रांची (एनएसएसएचओ) के साथ अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उद्यमियों के लिए विशेष विक्रेता विकास सम्मेलन (वेंडर डेवलपमेंट मीट) का आयोजन किया गया।

- वर्ष 2019-20 के दौरान 64.82 करोड़ रूपये के जारी किए गए कुल आपूर्ति आदेश में से, 29.77 करोड़ रूपये (कुल का 45.92 प्रतिशत) का आपूर्ति आदेश एमएसई पर जारी किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए महिला उद्यमियों को जारी आपूर्ति आदेश का कुल मूल्य एमएसई पर जारी किए गए आदेश का 12.50 प्रतिशत है, जो सरकार के 3 प्रतिशत के मैंडेट से काफी अधिक है।

- ऑस्ट्रेलियाई व्यापार एवं निवेश आयोग के महावाणिज्य दूत, श्री एन्ड्रयू फोर्ड, ने सीएमपीडीआई का दौरा किया और खनन एवं कोयला आधारित गैर पारंपरिक ऊर्जा संसाधन खासकर, कोल बेड मिथेन, मिथेन गैस ड्रेनेज, भूमिगत कोयला गैसीकरण आदि के क्षेत्र में आपसी सहयोग के संबंध में बैठक की।

- महावाणिज्यदूत, यूएस, सुश्री पैट्रिसिया हॉफमैन ने सीएमपीडीआई तथा वर्ष 2008 से यूएसईपीए के सहयोग से यहां कार्यरत सीएमएम क्लीयरिंग हाउस का दौरा किया। सीएमपीडीआई पर संक्षिप्त प्रस्तुति, इंडिया सीएमएम/सीबीएम क्लीयरिंग हाउस की उपलब्धि, वर्ष 2023-24 तक 1 बिलियन टन कोयला प्राप्त करने की प्रस्तावित योजना तथा भारत में कोयला उद्योग के विकास के लिए भावी योजना पर विचार-विमर्श किया गया और दौरा करने वाली टीम को तकनीकी ब्यौरे की विस्तृत जानकारी दी गई।

- संवेदकों एवं आपूर्तिकर्ताओं के बिल को पास करने (प्रोसेसिंग) तथा भुगतान करने में अधिक जवाबदेही तथा पारदर्शिता के अनुपालन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाया जा चुका है।

- सीएमपीडीआई (मुख्यालय) रांची में स्टोर की सारी प्रक्रिया तथा इन्वायस प्रस्तुत करने (रेजिंग) को शामिल कर ग्यारह अंकों के कोड पर आधारित ऑनलाइन सामग्री प्रबंधन प्रणाली (ओएमएमएस) को कार्यान्वित कर दिया गया है।

- अल्प अवधि में दो पुस्तकें, ''रेडी रिकॉनर ऑफ मैनेजिंग इन्वायरन्मेंट ऑफ सीआईएल माइन्स'' तथा ''कंपेन्डियम ऑफ सीवीसी/सीआईएल/एमओसी/डीओपीटी/सीएमपीडीआई सर्कुलर्स एंड गाइडलाइन्स" प्रकाशित की गई।

- सीएसआर (निगमित सामाजिक दायित्व): विगत तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के 2 प्रतिशत के सांविधिक प्रावधान के तहत 300.01 लाख रूपये के कुल अनुमोदित बजट लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है।

- कौशल भारत मिशन के तहत कौशल विकासः वर्ष 2019-20 के दौरान सीएमपीडीआई के कुल 226 अकुशल तथा अर्धकुशल कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

- इन-हाउस प्रशिक्षणः विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी विषयों पर 1000 कर्मचारियों के लक्ष्य की तुलना में कुल 920 कर्मचारियों को इन-हाउस प्रशिक्षण दिया गया ।

- अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षणः 2019-20 के दौरान सीएमपीडीआई ने अपने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय संस्थानों में ड्रिलिंग, यांत्रिक, सिविल, कम्प्यूटर साइंस, खनन आदि विभिन्न विधाओं के 132 अप्रेंटिस को प्रशिक्षित किया है।

- एमओयू के एचआरएम पारामीटर के तहत कार्य-जीवन संतुलन के साथ-साथ नेतृत्व विकास हेतु महिला कर्मियों के लिए 15 इनीशिएटिव/कार्य चलाए गए।

- **खेलकूद**

  - ✓ सीएमपीडीआई (मुख्यालय) में 29 फरवरी, 2020 से 2 मार्च, 2020 तक ‘‘कोल इंडिया इंटर कम्पनी वॉलीबॉल टूर्नामेंट’’ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

  - ✓ सीएमपीडीआई द्वारा टेबुल टेनिस, वॉलीबॉल, फूटबॉल, अथलेटिक्स, शतरंज, कैरम तथा ब्रिज पर अंतर क्षेत्रीय संस्थान टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया।